*हँस रही उषा ( कविता )*

**क)** प्राची के अरुणाभ की तुलना आकाश रुपी तालाब में खिले गुलाब व कमल के फूल से की गई है |

**ख)** इस कविता के रचयिता भारत भूषण अग्रवाल है |

**लघु उत्तर लिखिए**

**क)** ' हँस रही उषा ' से कवि का तात्पर्य प्रातःकाल के समय धीरे - धीरे आकाश में छा जाने वाली लालिमा तथा प्रकृति के सौंदर्य से है |

**ख)** ' धूल गया तिमिर , बह गई निशा ' पंक्ति से कवि का आशय अंधकार के मिट जाने और निशा के दूर हो जाने से है |

**दीर्घ उत्तर लिखिए -**

**क)** जब प्रभात फूटता है तब चारों दिशाओं में अंधकार समाप्त हो जाता है | आकाश में चिड़ियाँ चहचहाने लगती हैं | कलियाँ खिल जाती हैं और मन में नई उमंग भर जाती है |

**ख)** ' हँस रही उषा ' कविता प्रसिद्ध कवि भारत भूषण अग्रवाल द्वारा रचित है | इस कविता के माध्यम से कवि सूर्य के उदय होने से पूर्व प्रकृति के दृश्य का वर्णन करते हुए कहते हैं की आसमान में चारों तरफ़ लालिमा छा जाती है | पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने लगती है | तालाबों में कमल खिल जाते हैं | रात्रि का अंधकार दूर होने लगता है और जैसे ही सूर्य उगता है , चारों तरफ़ प्रकाश छा जाता है |

**ग)** कवि कहते हैं कि सूर्य के उगने पर धीरे - धीरे प्रकाश की रेखाएँ पृथ्वी पर पड़ने लगती हैं जिससे अंधकार मिटने लगता है | चारों दिशाओं में सूर्य की निर्मल आभा रुपी चमक फैल रही है | सभी दिशाओं के द्वार आश्चर्यचकित होकर मुसकराते हुए खुल गए हैं और सवेरा मानो चारों तरफ़ प्रकाश लिए हँस रहा है |